सड़कों पर दौड़ रहे 'यमदूत' रूपी डंफर

कहां हैं प्रशासनिक जिम्मेदार, नियमों को दे दी तिलांजलि

नवभारत न्यूज

बरौंधा 3 जून । उत्तर प्रदेश की खदानों से बालू (रेत) लेकर मध्य प्रदेश के बरौंधा से मझगवां क्षेत्र मे प्रवेश करने वाले डफरों का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। बरौंधा-पिंडरा-मझगवां मार्ग इस समय अवैध परिवहन का एक ऐसा ग्रीन कॉरिडोर बन चुका है, जहां कानून की धज्जियां सरेआम उड़ाई जा रही हैं।

बिना नंबर प्लेट के तूफानी रफ्तार से दौड़ रहे ये ओवरलोड डंपर राहगीरों को साक्षात %यमदूत% के समान प्रतीत हो रहे हैं। सबसे बड़ा सवाल यह है कि पुलिस, राजस्व, आरटीओ और खनिज विभाग जैसी भारी-भरकम फौज के रहते हुए इन डंफर चालकों और उनके मालिकों के हौसले इतने बुलंद कैसे हैं ? क्या इन्हें प्रशासनिक मौन संरक्षण प्राप्त है ?

जबकि केंद्रीय मोटर वाहन नियमों के तहत किसी भी वाहन का बिना वैध और स्पष्ट नंबर प्लेट के सड़क पर चलना संगीन अपराध है, तो वहीं तय क्षमता से अधिक बालू लादकर चलना सड़कों को समय से पहले जर्जर और गड्ढों में तब्दील कर रहा है।

कहां हैं नियमों का पालन करवाने वाले जिम्मेदार इस अवैध परिवहन पर लगाम कसने के लिए कई विभागों को कानूनी अधिकार प्राप्त हैं, लेकिन जमीनी हकीकत इन विभागों की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर रही है ।

परिवहन विभाग - सड़कों पर बिना नंबर प्लेट और ओवरलोड वाहनों की चेकिंग करना और उन पर जुर्माना लगाना आरटीओ की प्राथमिक जिम्मेदारी है, आखिर आरटीओ का उड़नदस्ता इस मार्ग से गायब क्यों है ?

खनिज विभाग - उत्तर प्रदेश से आ रही बालू की वैध रॉयल्टी (रसीद) है या नहीं, इसकी जांच करना खनिज विभाग का काम है, सीमा पार से हो रहे इस अवैध परिवहन को रोकने में खनिज विभाग की सुस्ती समझ से परे है।

स्थानीय पुलिस और राजस्व अमला - क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखने और अवैध गतिविधियों पर त्वरित कार्रवाई करने का जिम्मा स्थानीय पुलिस और राजस्व विभाग (एसडीएम/तहसीलदार) का भी है। सड़कों पर सरेआम घूमते इन यमदूतों पर स्थानीय स्तर पर नाकेबंदी कर कार्रवाई न होना बेहद चिंता का विषय बना हुआ है।

ग्रामीणों का कहना है कि इन डंपरों की तेज रफ्तार के कारण धूल का गुबार उड़ता रहता है और सड़कों के किनारे रहने वाले लोगों का जीना मुहाल हो चुका है। बिना नंबर प्लेट, बिना त्रिपाल ओवरलोड इन डंपरों का बेखौफ दौड़ना सीधे तौर पर प्रशासनिक लापरवाही को उजागर करता है।

स्टेशन अमदरा में विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी का हुआ स्वागत

एक्स-रे मशीन चालू कराने सौंपा ज्ञापन

नवभारत न्यूज

अमदरा 3 जून । भोपाल प्रवास पर जाते समय स्टेशन अमदरा में मैहर विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी का भाजपा कार्यकर्ताओं एवं क्षेत्रवासियों द्वारा जोरदार स्वागत किया गया। इस अवसर पर क्षेत्र की स्वास्थ्य सुविधाओं से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों को लेकर विधायक को ज्ञापन भी सौंपा गया।

ज्ञापन में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अमदरा में स्थापित एक्स-रे मशीन को शीघ्र चालू कराने की मांग की गई। बताया गया कि स्वास्थ्य केंद्र में एक्स-रे मशीन उपलब्ध होने के बावजूद भोपाल स्तर से सी.आर. (छ्त्र) सिस्टम चालू नहीं होने के कारण मशीन का संचालन शुरू नहीं हो पा रहा है। इसके चलते अमदरा एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के मरीजों को एक्स-रे जांच के लिए अन्य शहरों में जाना पड़ता है, जिससे उन्हें अनावश्यक परेशानी एवं अतिरिक्त खर्च का सामना करना पड़ता है।

ज्ञापन के माध्यम से विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी से अनुरोध किया गया कि वे इस विषय को मध्यप्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री राजेन्द्र शुक्ल के समक्ष प्रमुखता से उठाकर आवश्यक कार्यवाही कराएं, ताकि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अमदरा में एक्स-रे सुविधा जल्द शुरू हो सके।

विधायक मैहर श्रीकांत चतुर्वेदी ने क्षेत्रवासियों की मांग को गंभीरता से लेते हुए उचित स्तर पर मामला उठाने एवं शीघ्र समाधान का प्रयास करने का आश्वासन दिया।

क्षेत्रवासियों ने उम्मीद जताई कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा जल्द कार्रवाई कर एक्स-रे मशीन का संचालन प्रारंभ कराया जाएगा, जिससे हजारों ग्रामीणों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा का लाभ मिल सकेगा।

अवैध उत्खनन-परिवहन करते 5 वाहन हुए जब्त

नवभारत न्यूज

मैहर 3 जून। कलेक्टर श्रीमती बिदिशा मुखर्जी के निर्देश पर खनिज विभाग मैहर ने तहसील मैहर और अमरपाटन में अवैध उत्खनन एवं परिवहन के खिलाफ जांच अभियान चलाया। कार्रवाई में रेत और गिट्टी का अवैध परिवहन कर रहे 5 वाहनों को जब्त किया गया।

जांच के दौरान घंटाघर के पास रेत का परिवहन कर रही एक ट्रैक्टर ट्रॉली को रोका गया। चालक के पास वैध दस्तावेज नहीं मिले। वाहन को जब्त कर सिटी कोतवाली मैहर में खड़ा कराया गया। दूसरी कार्यवाही अमरपाटन बाईपास में जांच के दौरान ट्रक क्रमांक क्क७0क्क्ज्ञ9186 और क्क७0ह्ज्ञ6010 गिट्टी का अवैध परिवहन करते पाए गए। दोनों ट्रकों को मौके से जब्त कर थाना अमरपाटन में खड़ा कराया गया।

तीसरी कार्यवाही ग्राम बठिया में जांच के दौरान बिना नंबर की ट्रैक्टर ट्रॉली और ट्रक क्रमांक स्क्क१९छ्9901 गिट्टी का परिवहन करते मिले। दोनों चालक खनिज के वैध दस्तावेज नहीं दिखा पाए। दोनों वाहनों को जब्त कर थाना नादान देहात में खड़ा कराया गया।

खनिज विभाग ने बताया कि जब्त सभी 5 वाहनों के खिलाफ खनिज नियमों के तहत प्रकरण तैयार कर कलेक्टर के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है।

महाभारत का कुरुक्षेत्र बना अमरपाटन महाविद्यालय, शकुनी वा शिखंडी मिलकर छवि कर रहें धूमिल, प्राचार्य बने धृतराष्ट्र

संजय की ऑखें तों हैं, धृतराष्ट्र ही बनना है-तो क्या सही क्या गलत

नवभारत न्यूज

अमरपाटन 3 मई । शिक्षा की बेहतर व्यवस्था के लिए कभी पहचाना जाने वाला अमरपाटन महाविद्यालय इन दिनों महाभारत के कुरुक्षेत्र जैसा रणक्षेत्र बन गया है। पिछले कई महीनों से यहां आपसी मतभेद और विवादों का दौर थमने का नाम नहीं ले रहा, जिसका सीधा असर छात्रों की पढ़ाई पर पड़ रहा है।

जानकारी के अनुसार सबसे गंभीर स्थिति रसायन विज्ञान की है, जहां पढ़ाई लगभग पूरी तरह ठप हो चुकी है। रसायन शास्त्र में चार पद स्वीकृत होने के बावजूद भी मात्र एक ही प्रोफेसर काम कर रहे हैं छात्रों ने प्राचार्य से लेकर एसडीएम और उच्च अधिकारियों तक शिकायत की है। लेकिन आज तक उन शिकायतों का किसी भी अधिकारी पर कोई असर नहीं पड़ा। आखिर 2000 विद्यार्थियों को एक प्रोफेसर अकेले कैसे पढ़ा सकता है। इसके लिये क्या अकेले प्रोफेसर सिन्हा पूरी तरह दोषी हैं या प्राचार्य की भी कुछ जिम्मेदारी होती है। हिंदी भूगोल जैविक खेतीआदि की कक्षाएं अगर 3 वर्षों से संचालित नहीं हो रही हैं तो जवाबदारी किसकी। प्राचार्य ने संबंधित शिक्षकों के प्रति कक्षा न लेने पर कोई ठोस कदम क्यों नहीं उठा पा रहे।

दूसरी ओर, सूत्रों का कहना है कि महाविद्यालय में कुछ नियमित और कुछ अतिथि विद्वानों की भूमिका भी संदिग्ध बनी हुई है ।जो शकुनी वा शिखंडी बन समस्याओ और जटिल बनाने में लगे हुए हैं। इनका काम सिर्फ प्राचार्य की जी हुजूरी करना रहता है यह कभी कक्षाओं में नहीं जाते हैं जिनकी शिकायत पहले भी की जा चुकी है। जिसके चलते शैक्षणिक और प्रशासनिक व्यवस्था दोनों चरमरा गई हैं। हालात ऐसे हैं कि शिक्षा का यह मंदिर अब विवादों का अखाड़ा बन चुका है। इन परिस्थितियों को देखते हुए सवाल उठ रहा है कि प्राचार्य अपने दायित्व का निर्वहन करने में पूरी तरह से अक्षम सिद्ध क्यों हों रहें हैं ऐसी कौन सी म?बूरी है ।वर्तमान प्राचार्य एस.के. वर्मा द्वारा व्यवस्थाओं को सुधारने के नाम पर निगरानी समितियां गठित तो की गई हैं, वास्तव में कितनी निगरानी हुई भी या नहीं या कि यह समितियां कागजों तक ही सीमित रह गई ।महाविद्यालय में संजय की दिव्यदृष्टि (सी सी टी बी) भी हैं लेकिन धृतराष्ट्र बनकर कुछ देखना नहीं चाहते। प्राचार्य कभी भी अपने चेंबर के बाहर निकलकर व्यवस्थाओं का जायजा नहीं लेना चाहते है। फिलहाल सबसे बड़ा नुकसान छात्रों को उठाना पड़ रहा है, जिनकी पढ़ाई लगातार प्रभावित हो रही है और भविष्य दांव पर लगा हुआ है। वैसे भी दशकों से अमरपाटन महाविद्यालय प्रभारी प्राचार्य के दम पर ही विधिवत संचालित होता आया है ऐसी स्थिति पहले नहीं बनी। यहां फैली इस तरह की स्थिति को लेकर अब उच्च शिक्षा विभाग को यहां किसी योग्य नियमित प्राचर्में की पदस्थापना होने से महाविद्यालय की छवि को बचाया जा सकता है।

> **धृतराष्ट्र ही बनना है-तो क्या सही क्या गलत**
>
> शिक्षा की बेहतर व्यवस्था के लिए कभी पहचाना जाने वाला अमरपाटन महाविद्यालय इन दिनों महाभारत के कुरुक्षेत्र जैसा रणक्षेत्र बन गया है। पिछले कई महीनों से यहां आपसी मतभेद और विवादों का दौर थमने का नाम नहीं ले रहा, जिसका सीधा असर छात्रों की पढ़ाई पर पड़ रहा है।

खेत बचाओ अभियान कार्यक्रम का शुभारंभ

नवभारत न्यूज

चित्रकूट 3 जून। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 1 जून से 30 जून 2026 तक संचालित किए जा रहे राष्ट्व्यापी खेत बचाओ अभियान के अंतर्गत तुलसी कृषि विज्ञान केंद्र, गनीवां (दीनदयाल शोध संस्थान), चित्रकूट द्वारा व्यापक जनजागरूकता कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

कृषि विज्ञान केंद्र, गनीवां के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. राजेंद्र सिंह नेगी ने बताया कि अभियान के तहत केंद्र के वैज्ञानिक चित्रकूट जनपद के पांच विकासखंडों— कर्वी, मऊ, पहाड़ी, रामनगर एवं मानिकपुर —के गांवों में पहुंचकर किसानों से प्रत्यक्ष संवाद करेंगे तथा खेत स्तर पर उन्नत कृषि तकनीकों का प्रसार करेंगे। अभियान का मुख्य उद्देश्य किसानों को रासायनिक उर्वरकों के संतुलित एवं विवेकपूर्ण उपयोग के साथ-साथ उनके वैकल्पिक एवं टिकाऊ स्रोतों के प्रति जागरूक करना है। उन्होंने बताया कि किसानों को हरी खाद, जैविक एवं प्राकृतिक खेती, धान की फसल में एजोला उत्पादन, जीवामृत एवं घनजीवामृत जैसी तकनीकों की व्यवहारिक जानकारी प्रदान की जाएगी।

साथ ही खेत प्रदर्शन एवं किसान गोष्ठियों के माध्यम से इन तकनीकों के लाभों को किसानों तक पहुंचाया जाएगा। डॉ. नेगी ने बताया कि कृषि विज्ञान केंद्र में इस वर्ष खरीफ में द्वारा धान, श्री अन्न (मिलेट्स), दलहन एवं तिलहन फसलों में समन्वित पोषक तत्व प्रबंधन अपनाकर रासायनिक उर्वरकों के उपयोग में लगभग 30 प्रतिशत तक कमी लाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके लिए फसल चक्र, हरी खाद, गोबर की खाद, जैव उर्वरकों, एजोला, जीवामृत एवं घनजीवामृत के उपयोग को बढ़ावा दिया जा रहा है।

धान फसल में धानङ्कचना फसल चक्र, ढैंचा की हरी खाद, गोबर की खाद, एजोस्पाइरिलम एवं पीएसबी जैव उर्वरकों के उपयोग तथा मिट्टी परीक्षण आधारित पोषण प्रबंधन को अपनाया जाएगा।

शिविर में तीन सौ लोगों का हुआ स्वास्थ्य एवं नेत्र जांच

- जनपद सभापति विनोद तिवारी के नेतृत्व में हुआ नेत्र शिविर का आयोजन

नवभारत न्यूज

कोटर 3 जून। क्षेत्र की ग्राम पंचायत तिहाई के शासकीय विद्यालय परिसर में मंगलवार को नेत्र एवं स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर में क्षेत्र के लगभग 300 लोगों ने पहुंचकर स्वास्थ्य एवं नेत्र जांच कराकर विशेषज्ञ चिकित्सकों से परामर्श प्राप्त किया। यह आयोजन रामपुर बघेलान जनपद सभापति विनोद तिवारी द्वारा अपने स्वर्गीय पिता की पुण्यतिथि के अवसर पर कराया गया। शिविर में ग्रामीणों की नेत्र रोगों की जांच, स्वास्थ्य परामर्श एवं आवश्यक उपचार संबंधी जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम में ग्राम पंचायत तिहाई के सरपंच रेवती रमण दहिया, सचिव श्रीकांत त्रिपाठी, ललित द्विवेदी, ज्ञानेंद्र पाण्डेय, कोटर पीएचसी के चिकित्सक डॉ. सर्वेश सिंह, जानकी कुंड की चिकित्सकीय टीम, अर्जुन त्रिपाठीविराज त्रिपाठी बालकृष्ण पांडे आशीष पांडे धीरेंद्र सिंह शुभम मिश्रा आदित्य कुशवाहा इंद्रमणि कुशवाहा नीरज केवट पिंटू कुशवाहा सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं ग्रामीण उपस्थित रहे। शिविर में बड़ी संख्या में पहुंचे ग्रामीणों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे स्वास्थ्य शिविर ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम के अंत में जनपद सभापति विनोद तिवारी ने शिविर को सफल बनाने में सहयोग देने वाले स्वास्थ्य विभाग, पंचायत प्रतिनिधियों एवं समस्त ग्रामीणों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी जनहित के ऐसे आयोजन लगातार किए जाते रहेंगे।

अंबेडकर बस्ती में बुनियादी सुविधाओं का अभाव

नवभारत न्यूज

उचेहरा 3 जून । जनपद के ग्राम पंचायत बन्दरहा के अम्बेडकर बस्ती के निवासी आज भी पीने योग्य पानी ,चलने योग्य स?क , बिजली की आंख मिचौली से काफी परेशान है आक्रोशित ग्रामीण जल्द ही अपनी समस्याओं को लेकर आवाज जनपद स्तर पर बुलंद करेंगे ।

मौके पर मौजूद निवासियों ने ग्राम पंचायत के गैर जिम्मेदाराना रवैये पर सीधा सवाल ख? करते हैं वार्ड 10 की पंच शीला चौधरी ,वार्ड 9 की पंच केसरी चौधरी ने स्पस्ट लहजे में सीधा आरोप पंचायत पर लगाते कहा कि हमारे वार्ड में नल तो लगा है लेकिन पीने योग्य पानी नही मिल पा रहा करीब 15 वर्ष पूर्व मोहल्ले में लगा नल पी ए ई विभाग द्वारा बनाने के लिए ले गये थे वह हैंड पंप आज भी नहीं लगाया गया न ही इसके पीछे का कारण ही मोहल्ले वासियों को बताया गया मोहल्ले के पास ही कू?ा का ढेर लंबे समय से लगा है वही नाली की बात की जाय तो पंचायत द्वारा नाली की सफाई न कराने से पूरी तरह से भठ गई है रही बात रोड की तो वह ठीक से चलने लायक भी नही 10 वर्ष हो रहे होंगे मोहल्ले की रोड को बने हुए पंच पंचायत की व्यवस्था से इतनी आहत हैं कि उन्होंने मौके पर पंचायत के जुम्मेदा रो पर तीखा सवाल करते कहा कि जब हमारी पंचायत में कोई सुनने वाला ही नही तो हमने पंचायत में जाना ही छों? दिया है कुछ इसी तरह वार्ड 9 की पंच केशर चौधरी ने खुला आरोप लगाते कहा कि हमारे वार्ड के विकास में कोई ध्यान नही देता हम लोग गन्दा पानी पीने को मजबूर हैं।

जनजागरूकता रैली निकाल पर्यावरण के प्रति लोगों को किया गया जागरूक

- सदगुरू ने ठाना है, पर्यावरण बचना है -डॉ इलेश जैन
- मध्य प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड सतना का आयोजन

नवभारत न्यूज

चित्रकूट 3 मई । परम पूज या संत रणछोड़ दास जी महाराज द्वारा स्थापित श्री सद्गुरु सेवा संघ ट्रस्ट चित्रकूट जानकीकुंड के परिसर में विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य पर श्री सद्गुरु सेवा संघ ट्रस्ट एवं मध्य प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड सतना के तत्वावधान में संयुक्त रूप से पर्यावरण सुरक्षा हेतु जन जनजागरूकता रैली निकाली गई।

रैली को ट्रस्ट के ट्रस्टी एवं निदेशक डॉ इलेश जैन एवं प्रदूषण बोर्ड सतना से डॉ राहुल द्विवेदी एवं हरीश राय ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली के माध्यम से लोगों पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया, साथ ही प्लास्टिक उपयोग न करना एवं अपने आसपास के क्षेत्र में हरे भरे एवं छायादार वृक्ष लगाना एवं जल संरक्षण के बारे में रैली के माध्यम से लोगों जागरूक किया गया।

डॉ जैन ने रैली रवाना करने से पहले विश्व पर्यावरण दिवस पर लोगों से अपील करते हुए कहा कि हर व्यक्ति कम से कम एक वृक्ष जरूर लगाए और उसकी पूरी देख भाल कर तैयार करे क्यों कि वृक्ष जीवन का आधार है उन्होंने नारा देते हुए कहा कि सदगुरू ने ठाना है, पर्यावरण बचना है ।उन्होंने कहा प्रकृति संसाधनों के दोहन और मानव जीवन के लिए उनके गलत उपयोग से पर्यावरण दूषित हो रहा है अत: दूषित पर्यावरण उन सभी घटकों को प्रभावित करता है जो जीवन जीने के लिए आवश्यक है ऐसे में पर्यावरण के प्रति लोगों को जागरूक रहना चाहिए। डॉ जैन ने पर्यावरण का अर्थ बताते हुए कहा कि संपूर्ण प्रकृति परिवेश से है जिसमें हम रहते हैं इससे हमारे चारों ओर के सभी जीवित और निर्जीव तत्व शामिल होते हैं हवा पानी मिट्टी पौधे जानवर आदि जंतु पर्यावरण के घटक परस्पर एक दूसरे के साथ जुड़कर एक समग्र स्थिति तंत्र का निर्माण करते हैं। उन्होंने बताया कि पद्मश्री स्व. डॉ बी के जैन की ग्रीन एवं क्लीन चित्रकूट की सोच थी और उनकी इसी सोच के लिए उन्हें चित्रकूट का ब्रांड एंबेसडर भी चुना गया था, डॉ जैन कहा करते थे कि प्रकृति के पास स्वयं ही असीम शक्ति उसे किसी मानव द्वारा निर्मित कृत्रिम की जरूरत नहीं है,बस हम सबको पूर्ण संकल्पित होकर उसके रास्ते के अवरोधों और इंसानी दखल को हटाना होगा। अगर हम लोग ऐसा कर दे तो हमारी नदिया, तालाब और भी अन्य जलाशयों का जल स्वच्छ और निर्मल हो जायेगे, जिससे पीने के लिए स्वच्छ और निर्मल जल मिलेगा, एवं वायु में घुला हुआ जहर भी खत्म हो जाएगा जिससे हम लोग सांस लेने के लिए स्वच्छ वायु ले सकेंगे। वही प्रदूषण बोर्ड सतना से आए डॉ राहुल द्विवेदी ने कहा कि प्रकृति से छेड़ छाड़ किसी को नहीं करना चाहिए आज प्रकृति के छेद छाड़ का ही नतीजा है कि लोगों का जीवन जीना दुर्लभ होता जा रहा है न स्वच्छ हवा है न ही निर्मल जल इसलिए हम सबको पर्यावरण को संरक्षित करने के लिए संकल्पित होकर काम करना पड़ेगा, आज इस रैली के माध्यम से लोगों को पर्यावरण के प्रति सजग रहने के लिए जागरूक किया जा रहा है ।इस मौके पर प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड सतना की टीम सहित सदगुरू नेत्र चिकित्सालय के सभी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

एक नजर में

कांग्रेस का पैदल मार्च, नगर पालिका के खिलाफ खोला मोर्चा

मैहर। नगर में व्याप्त मूलभूत जनसुविधाओं की समस्याओं को लेकर आज कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने किला चौक से पैदल मार्च निकालकर नगर पालिका प्रशासन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान कांग्रेसजनों ने नगर की बदहाल सड़कें, जाम नालियां, पेयजल संकट, सफाई व्यवस्था की कमी तथा अन्य जनसमस्याओं को लेकर आवाज बुलंद की। पैदल मार्च का नेतृत्व कांग्रेस जिला अध्यक्ष धर्मेश घई ने किया। उनके साथ प्रभात दुबेदी, चूड़ामणि बढोलिया, महेंद्र पटेल पंकज कुशवाहा सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी मौजूद रहे। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि नगर पालिका की लापरवाही के कारण आम नागरिकों को मूलभूत सुविधाओं के लिए परेशान होना पड़ रहा है। मार्च के दौरान कांग्रेसजनों ने विभिन्न मार्गों से होकर नगर भ्रमण किया और जगह-जगह व्याप्त गंदगी, खराब सड़कों तथा जल निकासी की समस्याओं को उजागर किया। नेताओं ने कहा कि बरसात का मौसम नजदीक है, लेकिन नगर की नालियों की सफाई नहीं हुई है, जिससे जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। कांग्रेस नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि नगरवासियों की समस्याओं का शीघ्र समाधान नहीं किया गया तो आगामी दिनों में नगर पालिका कार्यालय का घेराव कर विशाल धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। उन्होंने प्रशासन से जनहित के मुद्दों पर तत्काल कार्रवाई करते हुए सड़क, पानी, सफाई और अन्य मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित करने की मांग की। इस अवसर पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने नगर पालिका प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए जनता की समस्याओं के निराकरण की मांग उठाई।

बेटी को न्याय दिलाने दर दर भटक रहा पिता

नागौद। समीपस्थ ग्राम उमरहाई दुरेहा निवासी राजप्रकाश चौधरी की पुत्री का विवाह 9 मई 2025 को देवेंद्रनगर पन्ना के ग्राम रतनपुरा भिलसाय में हुआ था। पिता का कहना है कि ससुराल वाले बुलेट गाड़ी और नकद रुपयों की मांग लगातार कर रहे थे जबकि हीरो स्प्लेंडर गाड़ी दहेज में दी गई थी। बेटी लगातार बताती थी कि ससुराल वाले लगातार मानसिक और शरीरिक प्रताड़ति कर रहे थे लेकिन मैंने समझाया बुझाया। मेरी बेटी जेठानी के साथ पति के पास सूरत गई थी जहां पति ने बेटी की हत्या कर दी। इस बावत पीड़ति पिता लगातार न्याय के लिए सांसद, विधायक को शिकायती ज्ञापन दिया , सतना सांसद गणेश सिंह एवं नागौद विधायक नागेन्द्र सिंह ने एसपी को पत्र लिखकर जांच कराने एवं आवश्यक कार्यवाही के लिए कहा , लेकिन पुलिस अभी तक कोई कार्रवाई नहीं किया,अब देखना ये होगा कि सालों से सुषुप्त पड़ी जांच होगी या ठंडे बस्ते में चली जाती है।

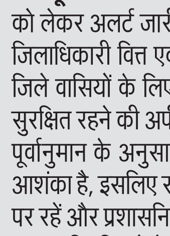

खराब मौसम को लेकर एडीएम ने जारी की एडवाइजरी

चित्रकूट। मौसम विभाग की ओर से जिले में भारी वर्षा, आंधी और तूफान को लेकर अलर्ट जारी किया गया है। इस चेतावनी को देखते हुए अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व चंद्रषेखर ने आपदा प्रबंधन के मद्देनजर जिले वासियों के लिए एक विशेष एडवाइजरी जारी करते हुए सभी से सुरक्षित रहने की अपील की है। एडीएम ने कहा है कि मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार चित्रकूट जिले में मौसम खराब होने की प्रबल आशंका है, इसलिए सभी नागरिक पूरी तरह सतर्क रहें, सुरक्षित स्थानों पर रहें और प्रशासनिक निर्देशों का पालन कर सहयोग करें। मौसम की आपात स्थिति को देखते हुए लोग घरों में रहें। आंधी-तूफान के दौरान पेड़ों, बिजली के खंभों, ट्रांसफार्मर और जर्जर भवनों के पास बिल्कुल न खड़े हों। निचले इलाकों, नदी-नालों और जलभराव की समस्या वाले क्षेत्रों की ओर जाने से पूरी तरह बचें।